हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, शनिवार, 28 जून 2025

11 मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब से गांवों में ही पेयजल की...

12 दोहान नदी में छोड़ा गया 250 क्यूसिक पानी, देवनगर में बांध तक...

लिंग जांच व भ्रूणहत्या पर नजर रखेगी कमेटी

नांगल चौधरी सीएचसी के 31 गांवों में बिगड़ते लिंगानुपात से विभाग चिंतित

- मंढाणा व नांगल चौधरी पीएचसी सबसे चिंताजनक है लिंगानुपात आंतरी
- छह महीने की रिपोर्ट में बांयल व सिरोही पीएचसी के गांवों का सेक्सरेशो उत्साह वर्धक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

कन्या भ्रूणहत्या व लिंग जांच पर प्रतिबंध लगा हुआ है। बावजूद नांगल चौधरी सीएचसी के अंतर्गत 31 गांवों में स्थिति चिंता जनक बनी हुई है। छह महीने की रिपोर्ट में मंढाणा व नांगल चौधरी पीएचसी का लिंगानुपात सर्वाधिक खराब दर्ज किया गया है।

दूसरी तरफ बांयल व सिरोही बहाली पीएचसी के गांवों का सेक्सरेशो एक हजार से अधिक मिला है। विभाग ने खराब लिंगानुपात वाले गांवों को चिन्हित करके जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। साथ ही मेडिकल स्टोर व अन्य एजेंटों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। इसके लिए सीएचसी के एसएमओ डॉ. अशोक यादव ने पीएचसी इंचाजों, आशा वर्कर व एएनएम स्टॉफ को विशेष जिम्मेदारी सौंपी है।

आपको बता दें कि बीते 20 से 25 सालों से संगीन अपराधिक वारदातें बढ़ गई। जिससे सामाजिक तानाबाना बिगड़ना आरंभ हो गया। समाधान के लिए सरकार ने गांवों में लिंगानुपात का अध्यन किया, जिसमें पाया कि अधिकांश गांवों में लड़कों की तुलना में लड़किया कम पैदा हो रही है।

रिपोर्ट मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को पानीपत जिले से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का शुभारंभ किया था। योजना के मुताबिक गांवों में मुखबिर तैनात किए गए। जिनकी मदद से लिंग जांच व भ्रूण हत्या करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। करीब दो साल सक्रियता के बाद प्रदेश का लिंगानुपात करीब 900 तक पहुंचा, लेकिन बीते दो से तीन सालों से कई गांवों में दुबारा से लिंगानुपात चिंतनीय बना हुआ है।

छह महीने की रिपोर्ट में नांगल चौधरी सीएचसी के अंतर्गत 31 गांवों का लिंगानुपात 500 से भी कम है। कुछ गांवों में 200 का आंकड़ा भी पार नहीं हुआ। जिससे अवैध गतिविधिवियों की संभावना बढ़ गई है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी गांवों को सूचीबद्ध करके ग्रामीणों को जागरूक करने का निर्णय लिया है। अभियान में सरपंच, पंच, आंगनबाड़ी वर्कर, आशा वर्कर तथा अन्य सामाजिक संगठनों को शामिल करने का प्रपोजल बनाया है।

विभागीय निर्देशानुसार एसएमओ डॉ. अशोक यादव ने सीएचसी में पीएचसी इंचार्ज व आशा वर्करों की मीटिंग बुलाई। कहा कि खराब लिगांनुपात से संगीन अपराध तथा सामाजिक रिवाजें प्रभावित होंगी। जल्द ही अंकुश नहीं लगाया गया तो अगले 10 से 15 सालों के बाद लड़कों की शादियां करनी मुश्किल हो जाएंगी। इस मौके पर डॉ. योगेश यादव, डॉ. नीरज गुर्जर, डॉ. हेमंत कुमार, आशा कोर्डिनेटर सुभाष यादव मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। सीएचसी में आशा वर्कर्स को बेटी बचाओ जागरूकता अभियान की जिम्मेदारी सौंपते एसएमओ डॉ. अशोक यादव व लिंगानुपात सुधारने की शपथ लेती आशा वर्कर्स। फोटो : हरिभूमि

अवैध गतिविधियों पर लगाएंगे अंकुश

सीएचसी के एसएमओ डॉ. अशोक यादव ने कहा कि लिंगानुपात बिगड़ने से गांवों में सामाजिक अपराध बढ़ गए हैं। भ्रूण हत्या व लिंग जांच रोकने के लिए संदिग्ध प्रतिष्ठानों पर औचक छापेमारी की जाएगी। साथ ही सरपंच, पंच, आशा वर्कर व अन्य संगठनों से मदद लेकर अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि गांवों में जागरूकता अभियान के लिए टीम गठित करके जिम्मेदारी सौंपी गई है।

लूजोता गांव में जगाया जागरूकता शिविर

विभागीय रिपोर्ट के मुताबिक बीते छह महीने में लूजोता का लिंगानुपात 400 रहा है। गांव में पांच लड़के तथा दो लड़कियों ने जन्म लिया है। विभागीय टीम ने विशेष शिविर लगाकर ग्रामीणों को बेटियों की उपलब्धियों से अवगत कराया। कहा कि बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं होता, बल्कि बेटियां दो परिवारों का भला करने में सक्षम होती हैं। कार्यक्रम में सरपंच सतबीर, डॉ. हेमंत कुमार, ब्लॉक आशा कोर्डिनेटर सुभाष यादव, रमेश कसाना ने ग्रामीणों को बेटी बचाने के लिए प्रेरित किया।

खबर संक्षेप

सड़क के नवीनीकरण की मांग, डीसी को सौंपा ज्ञापन

कनीना। करीरा गांव के भूतपूर्व सैनिकों ने डीसी से संपर्क कर कनीना से करीरा मार्ग का नवीनीकरण करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मार्ग में बरसात का पानी जमा हो जाता है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन बाधित होता है। यह मार्ग पिछले 10 साल में दो बार बन चुका है। जिसका करीब एक सौ फुट लंबा टुकड़ा जर्जर है। जहां बरसात के समय इन गड्ढों में पानी जमा हो जाता है। इस मौके पर सुमेर सिंह, वीरेंद्र सिंह, वेदप्रकाश, रामावतार, शिवलाल, महावीर, सुभाष उपस्थित थे।

विकास कार्यों का उद्घाटन आज

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव 28 जून को अपने विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। विधायक के पीआरओ राजेश यादव ने बताया कि विधायक ओमप्रकाश यादव प्रातः 10 बजे गांव मोहनपुर से पधाना राजस्थान बॉर्डर, बापड़ोली से सैनियों की ढाणी, कारोता से खतौली जाट तक हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की ओर से दो करोड़ 15 लाख की लागत से बनने वाली सड़कों का शिलान्यास करेंगे।

ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य बने सुंदरलाल सैन

महेंद्रगढ़। प्रदेश सरकार द्वारा गठित की गई जिला लोक संपर्क व शिकायत निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी)में प्रधान सुन्दर लाल सैन को सदस्य नियुक्ति किया गया है।

सुंदरलाल सैन ने प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, सांसद धर्मवीर सिंह, विधायक कंवरसिंह यादव व जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मुझे दी है। मौके पर उप प्रधान धर्मपाल सैन, किशोरी लाल सैन, गुगन सैन, रामकिशन सैन, सचिन महायच, मनोज, राजेश सैन, राजेंद्र सिंह, गोपाल, सोनू, नगर मंत्री कपिल सैन, बजरंग, ओम प्रकाश आदि ने उन्हें बधाई दी।

रक्तदान शिविर और सम्मान समारोह एक को

नारनौल। किशन लाल शिक्षा एवं जन कल्याण समिति की ओर से स्वर्गीय समाजसेवी किशन लाल यादव की 36वीं पुण्यतिथि पर एक विशाल रक्तदान शिविर एवं सामाजिक संस्थाओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष पवन यादव व सचिव मुकेश यादव ने बताया कि एक जुलाई को सुबह 10 बजे रेडक्रॉस भवन में रक्तदान शिविर एवं सामाजिक संस्थाओं के सम्मान समारोह के आयोजन पर पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव मौजूद रहेंगे।

होटलों के बाहर ओयो के टंगे रहते हैं बोर्ड, महज एक घंटे के एक-एक रूम के वसूले जाते हैं एक-एक हजार रुपये

नियमों के विरुद्ध जिले में चल रहे होटल, अनैतिक कार्यों को दे रहे बढ़ावा

राजकुमार ⏭ नारनौल

छोटा सा होटल है, खटिया का धंधा है। धंधा कभी गर्म तो कभी ... है। फिल्मी गाने की यह लाइनें आजकल जिले के शहरों एवं कस्बों में बिल्कुल फिट बैठ रही हैं, क्योंकि जिले में कुकुरमुत्तों की तरह कोई चार-पांच कमरे में दुकानों के ऊपर बनाए गए कमरों में होटल चल रहे हैं, जहां ये बोर्ड लगाकर अपनी कमाई के चक्कर में अनैतिक कार्यों को खुलेआम बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन कमाल की देखने वाली बात यह है कि हरियाणा सरकार ने होटलों के खोलने के लिए कुछ नियम एवं शर्तें लागू की हुई हैं, जिनका इन हाटलों में खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है।

गौर करने वाली बात यह है कि यहां कभी-कभार पुलिस तो नजर आ जाती है, कभी जांच के नाम पर खानापूर्ति करने तो कभी बहती गंगा में हाथ धौने के चक्कर में, लेकिन इन पर कोई अंकुश नहीं है। यही वजह है कि इन होटलों में न केवल खटिया का इंतजाम किया जा रहा है, बल्कि सरकारी नियमों एवं शर्तों का भी खुलेआम उल्लंघटन किया जा रहा है। इससे अकेला नारनौल ही नहीं, महेंद्रगढ़ भी अछूता नहीं है। छोटे कस्बों में भी छोटे-मोटे होटल खुलने लगे हैं।

भौतिकवादी युग में धन-माया का प्रभाव शुरू से रही रहा है, चाहे यह नैतिक मार्ग से आए या फिर अनैतिक कृत्य करके कमाया जाए। लोगों को बस पैसा चाहिए और वह आते रहना चाहिए। पहले होटल जहां बाहर दूर-दराज से आए लोगों के ठहरने के सुविधाजनक स्थान माने जाते थे, वहीं वर्तमान में इनका परिवेश बदलता नजर आता है। अब यह बाहर से आए लोगों को ठहरने के लिए एयर कंडीशनर रूम उपलब्ध कराने से ज्यादा भोग-विलासी जीवन व्यतीत करने वालों की सेवा ज्यादा तत्पर नजर आते हैं। अब इन तथाकथित होटलों में मुंह छुपाए युवक-युवतियां दिन-दहाड़े पहुंचने लगे हैं और महज एक घंटा-दो घंटा के लिए कमरा लेकर अपनी जिस्मानी भूख शांत करने लगे हैं और इसकी एवज में होटल वाले ऐसे युवक-युवतियों से महज एक घंटा का ही कम से कम एक-डेढ़ हजार रुपये किराया वसूल रहे हैं और पैसा कमाने में लगे हैं।

इसी कारण आजकल जिले में होटलों का धंधा नए उभरते रोजगार के रूप में नजर आने लगा है। इसी उद्देश्य की पूर्ति में लोग अब जहां देखो, वहीं गली-मोहल्लों में भी होटल खोलने लगे हैं। कमाल की बात तो यह है कि खटिया का धंधा करने वाले इन होटलों के बाहर ओयो होटल के बोर्ड प्रयोग किए जा रहे हैं, बेशक से इन होटलों के बारे में ओयो की रेंज चलाने की कंपनी को पता ही न हो, लेकिन ओयो का बोर्ड लगाया और शुरू कर दिया गया अनैतिक कार्यों के लिए रूम देने का धंधा। वैसे तो शहर में कोई स्टार यानि थ्री स्टार, फाइव स्टार रेंज का एक भी होटल मौजूद नहीं है, लेकिन अपनी सुख-सुविधाओं के बल पर कई होटलों ने इस लाइन में अच्छा-खासा नाम भी कमाया है, लेकिन इन नामी होटलों से कई-कई गुणा ज्यादा ऐसे नए होटल खुलते जा रहे हैं, जो खटिया के धंधे में लिप्त दिखाई देते हैं। इनके बाहर गेट पर ओयो का बोर्ड लगा होना इनकी खास पहचान है। कुछ नेशनल हाइवे एवं मुख्य सड़क मार्गों पर होटल एवं ढाबे भी खुल गए हैं, जिनमें भी काली कमाई के चक्कर में रूम बुक किए जाते हैं। इससे कॉलेज के छात्र–छात्राएं ही नहीं, इससे कम ऐज के लड़के-लड़कियां भी बर्बादी के रास्ते पर भटकते दिखाई देते हैं। इसके अलावा भी इनमें कभी स्टोरिये तो भी जुआरी या बेवड़े नजर आते रहते हैं, जो बिना लाइसेंस के शराब पेरोसते रहते हैं।

नारनौल। शहर में चल रहा एक होटल। फोटो : हरिभूमि

जिम्मेदार नहीं उठाते जहमत

इन होटलों के पास उक्त आठ प्रकार के दस्तावेज होने अनिवार्य हैं और इनके लिए संबंधित विभाग यानि प्रशासनिक अधिकारी चेकिंग अभियान भी चला सकते हैं, लेकिन जिले में कभी कोई प्रशासनिक अधिकारी इन अनैतिक कार्यों में लिप्त होटलों के विरुद्ध अपने कर्तव्य का पालन करते नजर नहीं आते। अन्यथा कमर्शियल बिल्डिंग के लिए नगर परिषद, फूड सप्लाई से लेकर पीडब्ल्यूडी, पब्लिक हेल्थ आदि ऐसे विभाग हैं, जो इनको चेकिंग का अधिकार रखते हैं, लेकिन या तो सुस्ती की जंग में जकड़े हुए हैं या फिर अपनी ड्यूटी का ही भान नहीं है। हालांकि कभी कभार यहां पुलिस हरकत करती नजर आ जाती है, कभी जांच के नाम पर रजिस्ट्रर में एंट्री चेक करने तो कभी अपनी मंशा पूरी करने। अन्यथा इनको कोई रोकने–टोकने वाला दूर-दूर तक नजर नहीं आता।

होटल चलाने के लिए आठ नियम हैं अनिवार्य

प्रदेश में होटल खोलने के लिए राज्य सरकार ने कुछ नियम एवं शर्तें लागू कर रखी हैं, जिनके अनुसार होटल चलाने वाले के पास कम से कम आठ दस्तावेज होने अनिवार्य हैं। इन आठ दस्तावेजों में पोल्यूशन एनओसी, फायर एनओसी, जीएसटी सर्टिफिकेट, एफएसएसएल लाइसें यानि एक ऐसा लाइसेंस, जो देश में खाद्य व्यवसाय चलाने के लिए आवश्यक है। यह होटलों में परोसे जाने वाले खाने के मद्देनजर लागू किया गया है, ताकि ग्राहक को एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित गुणवता एवं सुरक्षा मानकों के तहत खाना मिल सके। वाणिज्यिक स्वीकृति पत्र यानि कमर्शियल भवन प्रमाण पत्र, पीडब्ल्यूडी से जल एवं सीवरेज के वाणिज्यिक कनेक्शन का प्रमाण पत्र, एमएसएमई रजिस्ट्रेशन यानि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम जो भारत सरकार के साथ पंजीकृत होते हैं, के साथ-साथ सोलर पैनल होना भी अनिवार्य है, लेकिन इन अनिवार्य दस्तावेजों की सूची देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले में शायद ही कोई ऐसा होटल हो, जिसके पास यह सभी दस्तावेज उपलब्ध हों, लेकिन इसके बावजूद भी धड़ल्ले से चल रहे हैं।

समाधान शिविर को लेकर डीसी ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से शुरू की गई समाधान शिविर पहल एक बेहतरीन कदम है। इस नई पहल से लोगों में सरकार और प्रशासन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इसी प्रकार लगातार गंभीरता के साथ इस प्लेटफॉर्म पर आने वाली शिकायतों का निपटारा सुनिश्चित करें।

डॉ. भारती ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सोशल मीडिया ग्रीवेंस ट्रैकर पर आने वाली शिकायतों का समाधान 48 घंटे के भीतर किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली हर शिकायत की एक्शन टेकन रिपोर्ट एक सप्ताह के अंदर अंदर दी जानी चाहिए। इस संबंध में शिकायतकर्ता को भी एटीआर की एक प्रति दी जाए और उसकी एक कॉपी उपायुक्त कार्यालय को भेजी जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि एक्शन टेकन रिपोर्ट पर केवल विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर होने चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि यदि कोई शिकायत न होकर मांग है, तो उसके बारे में भी स्थिति स्पष्ट करते हुए एक्शन टेकन रिपोर्ट भेजी जाए। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार शर्मा, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी हरदीप सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

जिले में अवैध खनन पर लगातार हो रहा कड़ा प्रहार, 12 वाहन जब्त, लाखों का जुर्माना ठोका

- दो मामलों में एफआईआर दर्ज के लिए भेजी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अवैध खनन के खिलाफ पारदर्शी और जीरो टॉलरेंस नीति का सीधा असर महेंद्रगढ़ जिले में दिख रहा है। इसी नीति के तहत जिला प्रशासन व खनन विभाग ने मिलकर पिछले 10 दिनों में अवैध खनन और खनिज के अवैध परिवहन पर लगातार कड़ी कार्रवाई की है। इसके परिणाम स्वरूप 12 वाहनों को जब्त किया गया है और लाखों रुपये का जुर्माना वसूला गया है। इसके अलावा खनिज के अवैध परिवहन के दो मामलों में आरोपितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए लिखा गया है।

जिला खनन इंजीनियर डॉ. राजेश कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग व उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की संयुक्त टीमें लगातार सक्रिय हैं। इस अभियान में हरियाणा पुलिस विभाग का भी विशेष सहयोग मिल रहा है। डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि 16 से 26 जून तक की अवधि में कुल 1258 वाहनों की गहनता से जांच की गई। इस दौरान खनिज का अवैध परिवहन करते पाए गए 12 वाहनों को जब्त किया गया।

नारनौल। अवैध खनन में पकड़े गए वाहन। फोटो : हरिभूमि

अवैध खनन के खिलाफ दिया मजबूत संदेश

जिला खनन इंजीनियर डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जिसके तहत वे राज्य में खनन गतिविधियों में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहते हैं। उनकी नीतियों ने अवैध खनन के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है। इस तरह का अभियान जिला प्रशासन की ओर से भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि खनन को लेकर जिला प्रशासन भी लगातार प्रति माह बैठक ले रहा है।

शहर में नाले-नालियों की सफाई का किया निरीक्षण

उपायुक्त ने मानसून पूर्व तैयारियों का लिया जायजा

- दुकानदारों से बातचीत कर बाजार के पुल निर्माण का रास्ता निकालने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार मानसून के मौसम में शहरी जलभराव की समस्या से निपटने के लिए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने शुक्रवार को नारनौल शहर का व्यापक दौरा किया। उन्होंने मुख्य रूप से छलक नाले सहित शहर के विभिन्न हिस्सों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस निरीक्षण के दौरान डॉ. भारती ने कहा कि हरियाणा सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सभी नालियों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। उपायुक्त ने निजामपुर रोड से अपनी निरीक्षण यात्रा शुरू की और छलक नाले के विभिन्न स्थानों पर सफाई कार्यों का जायजा लिया।

उन्होंने विशेष रूप से छोटा-बड़ा तालाब के पास नाले की सफाई के बाद पड़े कचरे को तुरंत हटाने के निर्देश दिए। इस दौरान डॉ. भारती ने छलक नाले के ऊपर बने पुल बाजार का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां के दुकानदारों से बातचीत की और पुल के निर्माण का रास्ता निकालने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई नागरिक नालों या नालियों में कूड़ा-करकट या पॉलीथिन डालता पाया जाता है, तो उसे नोटिस जारी कर सख्त कार्रवाई की जाए।

नारनौल। शहर में छलक नाले की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

सफाई में सहयोग करने का आह्वान

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने शहर के नागरिकों से भी शहर को साफ और स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया। डॉ. विवेक भारती ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान में अपना योगदान देना सभी नागरिकों का कर्तव्य है। इस मौके पर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी दीपक गोयल, एक्सईएन मोनिका शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

कमिश्नर के आदेश: जोरासी के सरपंच हरीराम रहेंगे सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव अमरपुर जोरासी ग्राम पंचायत से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए गुरुग्राम डिविजन के कमिश्नर ने सरपंच हरीराम शर्मा द्वारा दायर की गई अपील को खारिज कर दिया है। यानि अब उन पर डीसी नारनौल के सस्पेंशन के जारी आदेश लागू हो गए हैं। कमिश्नर ने डीसी नारनौल द्वारा शुरू की गई नियामक जांच कानूनन के अनुसार आगे बढ़ाने और आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्षों द्वारा नियंत्रित की जाएगी।

बता दें कि गत 26 मई को डीसी डा. विवेक भारती ने अमरपुर जोरासी के सरपंच हरीराम शर्मा को सरपंच पद से निलंबित कर दिया था। डीसी के इन आदेशों को हरीराम शर्मा ने 3 जून को कमिश्नर गुरुग्राम के यहां चुनौती देते हुए अपील दायर की थी। उस रोज कमिश्नर ने डीसी के आदेशों पर स्टेट क्वो का आदेश जारी करते हुए अगली सुनवाई के लिए 10 जून की तारीख मुकर्रर की थी। जब 10 जून को सुनवाई हुई तो कमिश्नर गुरुग्राम की अदालत में हरीराम शर्मा व उनके वकील प्रस्तुत हुए थे। इनके साथ ही डीसी नारनौल एवं डीडीपीओ नारनौल की तरफ से भी सरकारी वकील पेश हुए थे। उस रोज इस मामले के मुख्य शिकायतकर्ता बिजेंद्र एवं नरेंद्र एडवोकेट वासियान जोरासी भी पेश हुए थे। उस रोज कमिश्नर ने केस की बहस सुनने उपरांत फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब उन्होंने लिखित आदेश सुनाते हुए हरीराम शर्मा को सरपंच पद से निलंबित बरकरार रखा है तथा डीसी को कानून अनुसार जांच आगे बढ़ाने के आदेश सुनाए हैं। इस जांच में जो भी निष्कर्ष निकलेंगे, उनके आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

सबसे ऊंची उड़ान भरने वाला पक्षी गिद्ध है, जो 11,000 मीटर की ऊंचाई तक उड़ सकता है।

सबसे बड़ा मकड़ी का जाला 28 मीटर चौड़ा और 34 मीटर लंबा हो सकता है।

अच्छी जॉब चाहिए तो सीखनी होगी अच्छी स्किल

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आजकल जमाना काफ़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हर दिन नई-नई टेक्नोलॉजी सामने आ रही है। ऐसे में मनुष्य का भी नई टेक्नोलॉजी के अनुसार ढलना जरूरी है। अब ऐसा नहीं है कि आपने कोई भी पढ़ाई की और आराम से नौकरी मिल जाएगी। अब विद्यार्थियों को नौकरी लेने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। नौकरी लेने के लिए अब पढ़ाई नहीं बल्कि स्किल होनी चाहिए। आपको जॉब देने वाले लोग देखेंगे कि आपके अंदर किसी काम को करने के लिए कितना कौशल है। आप किस प्रकार किसी भी कम को करते हैं या समझते हैं और उसे कितने तरीके से कर सकते हैं।

कौशल होना जरूरी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंजीनियरिंग : आज का जमाना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। हर कोई मोबाइल और इंटरनेट पर अपना पूरा समय व्यतीत करता है। इस प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसा माध्यम है जहां मशीन आपके अनुसार कार्य करती है। आने वाले वक़्त में पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बड़े पैमाने पर उपयोग करेगी। इस कारण आज के समय में अगर आप एक ऐसी नौकरी पाना चाहते हैं जिनकी मांग बहुत ज्यादा हो, कंपटीशन कम हो और ज्यादा से ज्यादा पैसा मिले तो आपको आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोर्स करना चाहिए। यह कोर्स आप आसानी से ऑनलाइन या ऑफलाइन कर सकते है। किसी भी संस्था के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोर्स करने के लिए सबसे पहले आपको पूरी जानकारी एकत्रित कर लेनी है।

मशीन लर्निंग

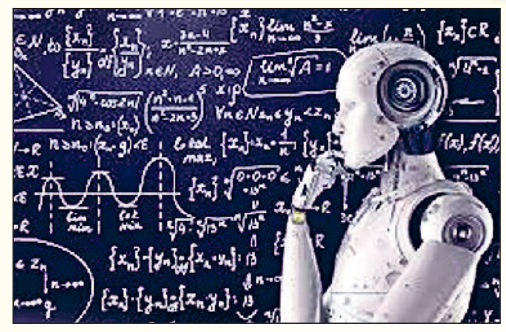

आज के डिजिटल दौर में अलग-अलग कंप्यूटर व अलग-अलग तरह की मशीन बनाई जा रही है। यही वजह है कि मशीन लर्निंग की मांग काफी तेज हो चुकी है। इसके लिए आपको अलग-अलग कंप्यूटर लैंगवेज की समझ होनी चाहिए। मशीन लर्निंग के बारे में अच्छे से समझ कर आप अच्छी कमाई कर सकते है। बहुत सारी कंपनी में मशीन लर्निंग का काम करने वाले कर्मचारी को अच्छी सैलरी दी जाती है। इस समय भी इसकी काफी ज्यादा डिमांड है और इस क्षेत्र में कंपटीशन भी नहीं है। आप ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से मशीन लर्निंग के बारे में जान सकते है और ज्यादा से ज्यादा कंप्यूटर लैंग्वेज सीखकर मशीन लर्निंग के क्षेत्र में तरक्की कर

ये योग्यताएं भी होना बहुत जरूरी

क्लाउड कंप्यूटिंग

आज से कुछ वक्त पहले कंप्यूटर में जानकारी को स्टोर करने की प्रोसेस थोड़ी अलग थी और अब लोगों की संख्या बढ़ाने और हैकिंग होने के कारण क्लाउड कंप्यूटिंग दिन प्रति दिन पॉपुलर हो रहा है। जानकारी को एकत्रित रखने का एक शानदार माध्यम है जो आपकी वेबसाइट और सॉफ्टवेयर को हल्का रखता है। अगर आप इस दौर में में कोई ऐसी नौकरी चाहते हैं जहां कंपटीशन कम हो और आपकी काबिलियत के अनुसार आपको हाई सैलरी वाली जॉब मिल सके तो आज के समय में हर बच्चे को क्लाउड कंप्यूटिंग के बारे में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

ब्लोक चेन टेक्नॉलाजी

पिछले समय से आपने बिटकॉयन के बारे में काफ़ी सुना होगा। यह एक करेंसी है जो ब्लाकचैन टेक्नोलॉजी पर चलती है। यही कारण है कि बिटकॉइन को कोई एक संस्था कंट्रोल नहीं करती है यह टेक्नोलॉजी इस कारण से लोगों के बीच काफी विख्यात हुई है और इस टेक्नोलॉजी को अन्य क्षेत्र में भी उपयोग करने की कोशिश की जा रही है। आगामी समय में ब्लाकचैन टेक्नोलॉजी का प्रयोग लगभग सभी संस्थाओं में किया जाएगा। अगर आप भी अच्छा पैसा कमाना चाहते है और अच्छी जॉब लेना चाहते है तो इसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करें और इसके बारे में अच्छी तरह समझे। इसके लिए आपको ब्लोक चेन टेक्नॉलाजी स्किल पर पूरा कमांड प्राप्त करना होगा।

फाइनेंस मैनेजर

फाइनेंस के क्षेत्र में बहुत सारे ऐसे कोर्स हैं जिनके बारे में आपको पता होना चाहिए। जितनी जल्दी जमाना ग्रोथ कर रहा है लोगों की खरीदने की आदत उतनी गति से तेज़ हो रही है। पहले की अपेक्षा आज लोग ज्यादा खरीदारी करते हैं।

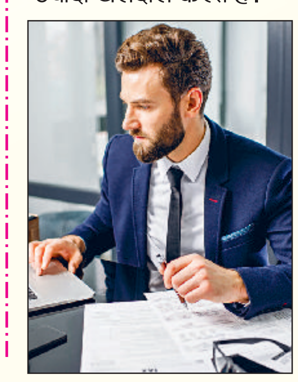

आपके विदेश जाने के सपनों को भी कर सकते हैं पूरा

विदेश में मिलेगा लाखों का पैकेज, भारी डिमांड वाले ये कोर्स बनाएंगे करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

फाइनेंस फील्ड में 60 लाख सालाना तक वेतन

विदेश में नौकरी का सपना हर युवा देखता है, लेकिन कम ही लोग विदेश में नौकरी कर पाते हैं। यदि आप भी विदेश में अच्छी नौकरी करके लाखों रुपए कमाना चाहते हैं तो यह इंफरमेशन आपके लिए ही है। आपको 12वीं के बाद ऐसे कोई कोर्स करना चाहिए, जिसकी विदेशों में भी काफी डिमांड रहती है। इनमें मैकेनिकल इंजीनियर, कंप्यूटर साइन्स, सिविल इंजीनियरिंग, बीमा विज्ञान, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, फार्मास्यूटिकल साइन्स, डिजिटल मार्केटिंग, डाटा एनालिटिक्स, मरीन इंजीनियरिंग, मीडिया और एनिमेशन कोर्स की डिमांड ज्यादा है। ऐसे कई कोर्स है जो लाखों की कमाई के साथ अच्छा करियर बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। साथ ही विदेश जाने का सपना भी पूरा कर सकते हैं।

मेकेनिकल इंजीनियर

विदेशों में टेक्निकल लोगों की काफी डिमांड है। खासकर मशीनरी और उसके पार्ट्स को डिजाइन और डवलप करने का काम करने वाली कंपनियों में काफी जॉब है। इसमें मैन्यूफैक्चरिंग प्रोसेस की देखरेख करने का भी काम होता है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग कोर्स की सबसे ज्यादा मांग अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में है। यहां मैकेनिकल इंजीनियर को सालाना 56 लाख रुपए की सैलरी पर आसानी से नौकरी मिल जाती है।

कंप्यूटर साइन्स

कंप्यूटर के युग में नई-नई टेक्नालॉजी आ रही है, कंप्यूटर सिस्टम में नए-नए एप्लीकेशन और सॉफ्टवेयर आ रहे हैं। ऐसे में कंप्यूटर साइंस कोर्स आपको अच्छे पैकेज वाली नौकरी विदेश में दिलवाएगा। विदेशों में साइबर फ्राड काफी ज्यादा बढ़ गए हैं, ऐसे में वहां कंप्यूटर साइंस की डिमांड भी लगातार बढ़ रही है। कंप्यूटर साइन्स में कंप्यूटर सिस्टम और उसके नेटवर्क की सुरक्षा करना, डाटा को हैकिंग से बचाना और साइबर क्राइम से प्रोटेक्शन करना सिखाया जाता है। कंप्यूटर साइंस के स्टूडेंट्स खासकर भारतीय स्टूडेंट्स की काफी डिमांड विदेशों में ज्यादा रहती है। इस कोर्स के बाद आप अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, आयरलैंड, जर्मनी और इजरायल में जॉब कर सकते हैं। सालाना पैकेज भी 61 लाख से अधिक का मिल सकता है।

सिविल इंजीनियरिंग

भारत के सिविल इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स की डिमांड भी विदेशों में इसलिए है क्योंकि भारत के इस कोर्स में पब्लिक, प्राइवेट सेक्टर्स में सड़क, भवन, बिल्डिंग्स एयरपोर्ट, सुरक्षा के लिए निर्माण और जलापूर्ति का डिजाइन करना इस कोर्स के अंतर्गत आता है। और, इसी की डिमांड यूएई, आस्ट्रेलिया और अमेरिका में काफी है। क्योंकि इन देशों में लगातार विस्तार हो रहा है। सैलरी का पैकेज भी 55 लाख सालाना मिलता है।

बीमा विज्ञान

यदि आप बीमा विज्ञान के क्षेत्र में कोर्स कर रहे हैं तो निश्चित ही आप विदेश में नौकरी करेंगे। क्योंकि इसकी काफी डिमांड विदेशों में बढ़ गई है। वित्त के क्षेत्र में बीमा के लिए सांख्यिकी, रिस्क और मॉडलिंग के साफ्टवेयर, तकनीकों का इस्तेमाल इस कोर्स में होता है। इंश्योरेंस साइंस में कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में आसानी से जॉब कर सकते हैं। सालाना पैकेज 65 लाख से ज्यादा हो सकता है।

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग

यदि आप बायोमेडिकल इंजीनियरिंग का कोर्स कर रहे हैं तो आपके लिए भी विदेश में नौकरी के काफी अवसर मिलेंगे। मेडिकल के क्षेत्र में इंजीनियरिंग स्किल्स का उपयोग और हेल्थकेयर में उपयोग होने वाले उपकरण तैयार करने, डिजाइन और उन पर रिसर्च करना, इस कोर्स का हिस्सा है। इसके बाद आपको न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, आयरलैंड, यूके और कनाडा में 58 लाख रुपए की सालाना सैलरी पर नौकरी मिल सकती है।

फार्मास्यूटिकल साइन्स

कोरोना काल के बाद यह सेक्टर काफी ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। इन दिनों भी डिमांड लगातार बढ़ रही है। फार्मास्यूटिकल साइन्स का कोर्स आपका करियर बना देगा। इसमें नई-नई दवाओं को विकसित करना, उनकी टेस्टिंग करना और उन्हें मैन्यूफैक्चर करने का काम सिखाया जाता है। इस कोर्स के बाद आपको कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया में 60 लाख रुपए के सालाना पैकेज पर नौकरी आसानी से मिल सकती है।

डिजिटल मार्केटिंग

कोरोना काल के बाद अब लोग डिजिटल तरीकों से ज्यादा काम करने लगे हैं। कई कंपनियां भी डिजिटल मार्केटिंग पर जोर दे रही हैं। यही कारण है कि अब सभी प्लानिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म को ध्यान में रखकर की जाने लगी है। इनमें सोशल मीडिया के फेसबुक, वाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसी साइट्स के जरिए भी काम होने लगा है। देश ही नहीं विदेशों में भी मैनेजर और ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स जैसे प्रोफेशनल्स की मांग काफी बढ़ रही है। यह फील्ड क्रिएटिव वर्क के साथ ही अच्छी-खासी सैलरी भी दे रही है।

डाटा एनालिटिक्स

कई कंपनियां डाटा एनालिटिक्स की भी भर्ती करती है। क्योंकि डाटा के जरिए कंपनी सेल्स स्ट्रेटेजी के जरिए कंपनी को आगे बढ़ा सकती है। इसका कोर्स भी युवाओं में काफी लोकप्रिय हो रहा है। डाटा साइंटिस्ट की मांग विदेशों में ज्यादा बढ़ गई है। लाखों का सालाना पैकेज भी कंपनियां दे रही हैं। गणित, स्टेटिस्टिक्स और कंप्यूटर एप्लिकेशन के स्टूडेंट्स डाटा साइंटिस्ट या डाटा एनालिटिक्स का कोर्स कर विदेशों में नौकरी आसानी से पा सकते हैं।

मरीन इंजीनियरिंग

यदि आप मरीन क्षेत्र में नौकरी का सपना देख रहे हैं, तो यह इसका कोर्स आपको बेहतरीन करियर बनाने में मदद करेगा। मरीन इंजीनियरिंग कोर्स कर आप देश-विदेश के मरीन फिल्म में नौकरी कर सकते हैं। मरीन इंजीनियरिंग का काम करने वाले युवा जहाज की मरम्मत करने और उसकी देखरेख का काम करते हैं। इसमें भी लाखों रुपए का पैकेज मिलता है।

मीडिया और एनिमेशन कोर्स

जर्नलिज्म, फिल्म इंडस्ट्री और ब्रांड एनिमेशन में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स भी विदेशों में जॉब कर सकते हैं। इस कोर्स के लिए सबसे जरूरी है क्रिएटिव स्किल्स। इसमें एनिमेशन की डिमांड है, विज्ञापन और मार्केटिंग के लिए भी इसका उपयोग होता है। इस कोर्स के बाद काफी जॉब विदेशी कंपनियों में निकल रहे हैं। सैलरी भी काफी आकर्षक है। इस कोर्स के जरिए आप अपना बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं, देश में रहकर या विदेश में रहकर भी आप अच्छा पैकेज पर जॉब कर सकते हैं।

नकारात्मकता को अपनी ताकत बनाकर मजबूती के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़े

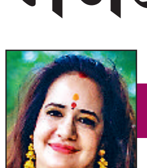

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

जीवन में कई बार हम ऐसे माहौल में फंस जाते हैं, जहां नकारात्मकता हमारा हौसला तोड़ने की कोशिश करती है। चाहे वह पढ़ाई का दबाव हो, दोस्तों या परिवार की आलोचना, असफलता का डर, या समाज की नकारात्मक सोच, ये सभी हमारे आत्मविश्वास को कमजोर कर सकते हैं। लेकिन, प्रिय छात्रों, यह याद रखें कि आपकी ताकत आपके भीतर है। नकारात्मक माहौल को न केवल सहन किया जा सकता है, बल्कि उसमें भी आप मजबूती के साथ आगे बढ़ सकते हैं। आइए, जानते हैं कि कैसे आप नकारात्मकता को अपनी ताकत में बदल सकते हैं। नकारात्मक माहौल तब सबसे ज्यादा प्रभावित करता है, जब हम अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं। अपने सपनों को हमेशा सामने रखें। चाहे लोग आपको कितना भी निराश करें, यह याद रखें कि आपका लक्ष्य आपकी प्रेरणा है। हर सुबह अपने आप से पूछें, "मैं यह क्यों कर रहा हूँ?"

अपने दिमाग को अच्छे विचारों से भरें

अपने जवाब को ही अपनी ढाल बनाएं। उदाहरण के लिए, अगर आप एक परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, तो नकारात्मक टिप्पणियों को अनदेखा करें और अपने अध्ययन पर ध्यान दें।

सकारात्मक सोच को अपनाएं : नकारात्मक माहौल में सकारात्मक सोच आपका सबसे बड़ा हथियार है। हर दिन अपने आप को कुछ सकारात्मक बातें कहें, जैसे "मैं मेहनती हूँ," "मैं अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता हूँ।" नकारात्मक लोगों की बातों को सुनें, लेकिन उन्हें दिल से न लगाएं। इसके बजाय, उनसे प्रेरणा लें कि आपको और बेहतर करना है। सकारात्मक किताबें पढ़ें, प्रेरणादायक कहानियाँ सुनें, और अपने दिमाग को अच्छे विचारों से भरें।

अपने समय का सही उपयोग करें : नकारात्मक माहौल में समय बर्बाद करना सबसे आसान होता है। लोग आपको हतोत्साहित कर सकते हैं, लेकिन आपका समय आपका है। इसे बुद्धिमानी से उपयोग करें। एक समय सारणी बनाएं और उसका पालन करें। पढ़ाई, खेल, और आत्म-विकास के लिए समय निकालें। जब आप अपने समय का सही उपयोग करते हैं, तो नकारात्मकता आपके दिमाग में जगह नहीं बना पाती।

सही लोगों का साथ चुनें : आपके आसपास के लोग आपके विचारों और भावनाओं को बहुत प्रभावित करते हैं। उन लोगों के साथ समय बिताएं जो आपको प्रेरित करते हैं, जो आपका हौसला बढ़ाते हैं। अगर आपके दोस्त या सहपाठी लगातार नकारात्मक बातें करते हैं, तो उनसे दूरी बनाएं। ऐसे गुरु, दोस्त, या परिवार के सदस्यों का साथ चुनें जो आपको आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

असफलता को सीखने का अवसर बनाएं : नकारात्मक माहौल में अक्सर असफलता का डर हमें कमजोर करता है। लेकिन असफलता कोई अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। हर गलती से सीखें। अगर आप किसी परीक्षा में अच्छे अंक नहीं ला पाए, तो निराश होने के बजाय यह विश्लेषण करें कि क्या गलत हुआ और उसे कैसे सुधारा जा सकता है। थॉमस एडिसन ने बल्ब बनाने में हजारों बार असफलता देखी, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आप भी अपनी असफलताओं को अपनी ताकत बनाएं।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें : नकारात्मक माहौल में मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। रोज़ाना व्यायाम करें, योग या ध्यान का अभ्यास करें। यह आपके दिमाग को शांत रखता है और तनाव को कम करता है। अच्छा खाना खाएं, पर्याप्त नींद लें, और अपने शौक को समय दें। जब आप शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होंगे, तो नकारात्मकता का आप पर कोई असर नहीं होगा।

आभार व्यक्त करें

नकारात्मक माहौल में भी कुछ न कुछ अच्छा जरूर होता है। हर दिन इसके लिए आभार व्यक्त करें। उदाहरण के लिए, आपके पास पढ़ने का अवसर है, एक परिवार है, या दोस्त हैं जो आपका साथ देते हैं। आभार की भावना आपको सकारात्मक बनाए रखती है और नकारात्मकता को दूर भगाती है।

खुद पर भरोसा रखें : सबसे महत्वपूर्ण बात, खुद पर भरोसा करें। आप में वह ताकत है जो किसी भी नकारात्मक माहौल को पार कर सकती है। लोग जो कहते हैं, वह उनकी सोच है, आपकी हकीकत नहीं। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करें और हर कदम पर खुद को प्रोत्साहित करें। आपके पास वह शक्ति है जो दुनिया को बदल सकती है। बस उस शक्ति को पहचानें और आगे बढ़ें। यह शक्ति आपके आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच में छिपी है। नकारात्मक माहौल या चुनौतियाँ आपको रोक सकती हैं, लेकिन अगर आप अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें और अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें, तो कोई भी बाधा आपको नहीं हरा सकती। हर छात्र के भीतर एक अनमोल ऊर्जा है, जो सही दिशा में उपयोग करने पर न केवल आपके जीवन को बदल सकती है, बल्कि समाज और दुनिया को भी बेहतर बना सकती है। इस शक्ति को पहचानें, अपने सपनों को पंख दें, और हर कदम पर दृढ़ता के साथ आगे बढ़ें।

सामान्य ज्ञान

1. भारत के किस प्रदेश की सीमाएं तीन देशों क्रमशः नेपाल, भूटान एवं चीन से मिलती है ?
(ए) अरुणाचल प्रदेश
(बी) मेघालय
(सी) पश्चिम बंगाल
(डी) सिक्किम

2. कौन - सा महत्त्वपूर्ण अक्षांश भारत को दो लगभग बराबर भागों में विभाजित करता है ?
(ए) 23°30' दक्षिण
(बी) 23°30' उत्तर
(सी) 0 डिग्री
(डी) 33°30' उत्तर

3. भारत का सुदूर पश्चिम का बिंदु है -
(ए) 23°7' पश्चिम, गुजरात में
(बी) 68°7' पश्चिम, राजस्थान में
(सी) 68°7' पूर्व, गुजरात में
(डी) 68°7' पूर्व, राजस्थान में

4. अरावली एवं विंध्य श्रृंखलाओं के मध्य कौन - सा पठार स्थित है ?
(ए) मालवा का पठार
(बी) छोटानागपुर का पठार
(सी) दक्कन का पठार
(डी) प्रायद्वीपीय पठार

5. सिलवासा राजधानी है -
(ए) दमन एवं दीव की
(बी) दादरा एवं नगर हवेली की
(सी) लक्षद्वीप की
(डी) अरुणाचल प्रदेश की

6. निम्नलिखित राज्यों में से किसकी तटरेखा सर्वाधिक है ?
(ए) गुजरात
(बी) महाराष्ट्र
(सी) केरल
(डी) तमिलनाडु

7. उत्तर भारत में उप हिमालय क्षेत्र के सहारे फैले समतल मैदान को क्या कहा जाता है ?
(ए) तराई
(बी) दून
(सी) खादर
(डी) भावर

8. कोरी निवेशिका जिस पर स्थित है, वह है -
(ए) कच्छ की खाड़ी
(बी) खम्भात की खाड़ी
(सी) कच्छ का लिटिल रन
(डी) कच्छ का रन

उत्तर 1.(डी) 2.(बी) 3.(सी) 4.(ए) 5.(बी) 6.(ए) 7.(डी) 8.(सी)

खबर संक्षेप

नारनौल। नशा मुक्त भारत की शपथ लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

नशा मुक्त भारत की ली शपथ

नारनौल। नशामुक्त भारत पखवाड़ा के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केमिस्ट विक्रेता, आमजन, केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी प्रशांत ने सभी औषधि विक्रेताओं को दवाई चिकित्सक की पर्ची पर बिल सहित देने के निर्देश दिए। ऐसी दवाइयों के दुरुपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की। केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने नशा मुक्त भारत अभियान के लिए विभाग के साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

अनिल व छत्रपाल बने कष्ट निवारण समिति के सदस्य

नांगल चौधरी। सरकार ने जिला स्तर पर कष्ट निवारण सदस्य मनोनीत किए हैं। नांगल चौधरी हलके से अनिल मांदी व छत्रपाल रावत को समिति में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण स्तर की समस्याओं का तत्परता पूर्वक निवारण करने के लिए ग्रिवेंस कमेटी का गठन किया गया है। मंत्री को कमेटी के चेयरमैन का दायित्व दिया है। मनोनीत सदस्यों को मासिक बैठक के लिए समस्याओं का चयन किया जाएगा। साथ ही निवारण की प्रक्रिया में प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग करने की हिदायत है।

जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य बने योगेश शास्त्री

सतनाली मंडी। वरिष्ठ भाजपा नेता शिक्षाविद् एवं समाजसेवी योगेश शास्त्री डिगरोता को जिला कष्ट निवारण समिति का सदस्य बनाया गया है।

योगेश शास्त्री की नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके निवास पर उनका स्वागत किया और खुशी का इजहार करते हुए सरकार का धन्यवाद किया। इस अवसर योगेश शास्त्री ने अपनी नियुक्ति पर सीएम नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, सांसद चौ. धर्मबीर सिंह, विधायक कंवर सिंह यादव, जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका वे पूरी निष्ठा से निवर्हन करेंगे।

डॉ. एनके यादव को मातृ शोक

नारनौल। राजकीय पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एनके यादव की मां गिदौड़ी देवी पत्नी रामअवतार यादव का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

गौरतलब है कि रामावतार यादव का निधन भी छह जून को हाल ही में हुआ था। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कठिन परिश्रम करके अपने परिवार को समृद्ध बनाया और उच्च पदों पर नियुक्त किया। वे अपने पीछे छह बेटे व दो बेटियों का भरा पूरा परिवार छोड़ गई है।

कलवाड़ी में जागरूकता शिविर का आयोजन

कनीना। स्वास्थ्य विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को कलवाड़ी गांव में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुंडियाखेड़ा पीएचसी के चिकित्सक डॉ. संदीप ने की। उन्होंने ग्रामीणों को गर्भ में लिंग जांच न करवाने तथा बेटी बचाने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि गर्भ में लिंग जांच करना कानूनी अपराध है, कोई भी व्यक्ति या अस्पताल संचालक ऐसा करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ पीएनडीटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

हर घर को निरंतर मिले स्वच्छ पेयजल, यही है जल जीवन मिशन

मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब से गांवों में ही पेयजल की गुणवत्ता की जांच

वर्तमान में यह लैब खंड सतनाली के गांवों का दौरा कर रही है, जिसके उपरांत महेंद्रगढ़ खंड के गांवों में जांच अभियान चलाया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जल जीवन मिशन के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से प्रदेश के नागरिकों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल वाटर टेस्टिंग लैब गांव गांव जाकर पेयजल स्त्रोतों की रासायनिक जांच कर रही है। जिला सलाहकार मंगतु राम सरसवा ने बताया कि यह मोबाइल लैब एक जून को नारनौल पहुंची थी और अब तक खंड नारनौल, निजामपुर, नांगल चौधरी, सिहमा, अटेली नांगल, कनीना की ग्राम पंचायतों में पेयजल स्त्रोतों की जांच कर चुकी है। वर्तमान में यह लैब खंड सतनाली के गांवों का दौरा कर रही है, जिसके उपरांत महेंद्रगढ़ खंड के गांवों में जांच अभियान चलाया जाएगा। शुक्रवार को लैब ने सतनाली खंड की ग्राम पंचायत जड़वा से सैंपल जांच की शुरुआत की। मंडल अध्यक्ष बेबी शेखावत एवं सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र प्रधान ने हरी झंडी दिखाकर इस मोबाइल लैब का शुभारंभ किया। इसके बाद जड़वा की ढाणी, बासड़ी, सोहड़ी और राजावास में भी पेयजल स्त्रोतों की जांच की गई। जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि सरकार और विभाग का उद्देश्य है कि हर उपभोक्ता को बीआईएस 10500 मानकों के अनुरूप स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो। लोगों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सकें।

नारनौल। हरी झंडी दिखाकर मोबाइल लैब का शुभारंभ करते बेबी शेखावत व सुरेंद्र प्रधान। फोटो : हरिभूमि

विभाग की सराहनीय पहल

मंडल अध्यक्ष बेबी शेखावत ने कहा कि यह विभाग की सराहनीय पहल है। जिससे गांव के लोग पानी की गुणवत्ता को लेकर सजग हो रहे हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से पेयजल को प्रदूषित होने से बचाने और जल की बर्बादी न करने की अपील की। सरपंच सुरेंद्र प्रधान ने कहा कि पूर्व में ग्रामीण सिर्फ पानी के रंग और स्वाद के आधार पर उसकी शुद्धता का अनुमान लगाते थे, लेकिन मोबाइल लैब के माध्यम से अब वैज्ञानिक तरीके से यह जानना संभव हो पाया है कि पानी में कौन कौन से मानक उपस्थित हैं और हमारे स्वास्थ्य के लिए उनकी क्या मात्रा होनी चाहिए।

आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित मोबाइल लैब

लैब सहायक उज्ज्वल कुमार ने बताया कि यह मोबाइल लैब आधुनिक जांच उपकरणों से युक्त है, जो दूर दराज एवं दुर्गम क्षेत्रों में भी जल गुणवत्ता की जांच करने में सक्षम है। यह लैब आपातकालीन या महामारी की स्थिति में भी अस्थायी लैब के रूप में कार्य कर सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को पेयजल की गुणवत्ता के प्रति जागरूक करना और जल संरक्षण का संदेश देना है। इस मौके पर सोमबीर शेखावत, सुरेंद्र छापड़ा, बीआरसी पूजा रानी, विदेश देवी, कालू, सुंदर, मनीराम, रणधीर, हनुमान, मोहर, जितेंद्र, तथा ग्रामीण सतपाल, सूरजपाल, राकेश, अंजना, उमेद देवी आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। पीजी कॉलेज में पौधरोपण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पीजी कॉलेज में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय में उच्चतर शिक्षा निदेशालय एवं जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डॉ. पूर्ण प्रभा के दिशानिर्देशों में स्वतन्त्रता सेनानी जयमाल सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के सौजन्य से शुक्रवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय उप प्राचार्य डॉ. जगजीत सिंह मोर ने बताया कि महाविद्यालय में नया शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ एक पौधा मां के नाम से शुरू किया गया। जिसमें मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नरेश यादव ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में छाया व फलों के 51 पौधे लगाए गए। प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन की मुहिम एक पौधा मां के नाम के अंतर्गत सरकारी संस्थाओं में 1000 पौधे लगाए जाएंगे। पर्यावरण क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि जिला प्रशासन, सभी विभागों व सभी समाजसेवी संस्थाओं की ओर से लगातार पौधारोपण का पुनीत कार्य धरातल स्तर पर हो रहा। सीनियर प्रोफेसर डॉ. मुकेश कुमारी यादव ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर की थी। इस मौके डॉ. सुभाष चन्द्र, डॉ. अनिश, डॉ. जयपाल, डॉ. विजेंद्र, डॉ. कृति, डॉ. सरला, मुस्कान, गौरव, खुशीराम, क्षेत्रपाल, कमल, योगेश आदि मौजूद थे।

जूलॉजी में विश्वविद्यालय में प्रथम रही यदुवंशी की निशा

नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से घोषित परीक्षा परिणाम में यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्रा निशा ने प्रथम स्थान हासिल किया है। इस सम्बंध में प्राचार्य बजरंग लाल ने बताया कि परीक्षा परिणाम में टॉप टेन में यदुवंशी डिग्री कॉलेज के जूलॉजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर में नियमित विद्यार्थी निशा पुत्री सत्यपाल ने प्रथम, प्रिया पुत्री कुलदीप ने पांचवां, अनामिका यादव पुत्री विक्रम सिंह ने छठा, यशीका यादव पुत्री भोपाल सिंह ने आठवां व अंतिमा पुत्री जसवंत यादव ने 10वां स्थान प्राप्त किया। श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने बताया कि मेहनत व अध्यापकों के मार्गदर्शन से यह सफलता प्राप्त करने का कार्य किया है। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्था निदेशक सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव व उपप्राचार्या डॉ. सोनल यादव ने श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। डॉ. सोनल यादव ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य कक्षाओं के परिणाम में भी छात्र बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

रक्तदान से बढ़कर मानव भलाई का दूसरा कोई काम नहीं है: सीटीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रक्तदान से बढ़कर मानव भलाई का दूसरा कोई काम नहीं है। स्वस्थ व्यक्ति को समय समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। इससे न केवल किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। यह बात नगराधीश मंजीत कुमार ने शुक्रवार को भारतीय स्टेट बैंक रेवाड़ी रोड शाखा के सौजन्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक राधेश्याम मेहला ने शिरकत की। रक्तदान शिविर में कुल 42 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

- शिविर में 42 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

नारनौल। रक्तदाताओं को बैज लगाकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ करते नगराधीश मंजीत कुमार।

नगराधीश मंजीत कुमार ने कहा कि रक्तदान एक निस्वार्थ सेवा है और सभी नागरिकों को इस नेक कार्य में भाग लेना चाहिए। रक्तदान से न केवल किसी की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह रक्तदाताओं के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। उन्होंने युवाओं को रक्तदान करते रहने का आह्वान किया। क्षेत्रीय प्रबंधक एसबीआई शाखा रेवाड़ी राधेश्याम व प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने पौधारोपण भी किया।

इस मौके पर आईटीआई प्रधानाचार्य विनोद कुमार खनगवाल, भारतीय स्टेट बैंक रेवाड़ी रोड शाखा से मुख्य प्रबंधक हरजीत सिंह, रामनिवास माहरवाल, जगलाल, फतेहचंद निंबल, आईटीआई से अधीक्षक सत्यनाराय, नोडल अधिकारी वीरेंद्र कुमार, वर्ग अनुदेशक जगदीश, मनीषा, नरेश कुमार, अमित कुमार, मनीष कुमार, पवन कुमार, अनुदेशक दिनेश जांगड़ा, सहायक होशियार सिंह के अलावा आईटीआई व एसबीआई शाखाओं के स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

राज्यस्तरीय आवासीय एनएसएस कैंप सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

यदुवंशी स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय आवासीय एनएसएस कैंप का शुक्रवार को समापन हुआ। जिसके मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान व अध्यक्षता पूर्व विधायक यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने की। कार्यक्रम अधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि सात दिवसीय कैंप में अलग अलग दिन विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों, राजनेताओं व समाजसेवियों को आमंत्रित कर एनएसएस के उद्देश्यों, प्राथमिक उपचार, नशा, पर्यावरण संरक्षण, साइबर क्राइम, महिला अपराध, स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, स्टार्टअप, योग आदि विषयों पर व्याख्यान के माध्यम से स्वयंसेवकों को विभिन्न प्रकार की जानकारियां देकर जागरूक किया गया।

नारनौल। शिविर समापन कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण व अन्य। फोटो : हरिभूमि

मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि इस कैंप में राज्य के विभिन्न जिलों से स्वयंसेवकों को बहुत कुछ सीखने को मिला।

स्वयंसेवकों ने सात दिनों में इस कैंप से जो कुछ सीखा उसे अपने जीवन में उतरे व अन्य लोगों को जागरूक करें। उन्होंने नशा पर बोलते हुए कोई कहा कि नशा युवाओं के लिए एक नासूर बनता जा रहा है, युवाओं को नशे से दूर रहकर देश को नशा मुक्त बनाना है। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि शिक्षा और संस्कारों में बड़ी ताकत होती है। उन्होंने अपने अभाव मय जीवन से सफलता तक के सफर के अनुभव के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि युवा वो शक्ति है, जो असंभव को संभव बना डालती हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों व एनएसएस कोऑर्डिनेटर चरण सिंह को कैंप की सफलता लिए बधाई दी।

सहेलियों को निगरानी रखने की सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सीएचसी के एसएमओ डॉ. अशोक यादव के निर्देशानुसार भेडंटी में लिंगानुपात सुधार एवं गर्भवती महिला पंजीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश कुमार यादव, ब्लॉक आशा संयोजक सुभाष यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों को बेटा व बेटियों में भेदभाव खत्म करने का संदेश दिया। कहा कि लिंगानुपात खराब होने के कारण समाज में संगीन अपराधों का ग्राफ बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि लिंग जांच करना कानून अपराध हैए पकड़े जाने पर सजा का प्रावधान किया गया है। बावजूद कई गांवों में लिंगानुपात सुधार नहीं हुआ तथा एक हजार लड़कों की तुलना में 200 से 500 लड़किया जन्म ले रही हैं। जिस कारण आने वाले 10 से 15 साल बाद लड़कों की शादी करना मुश्किल हो जाएगा। समाधान के लिए समाज को बेटा और बेटी में भेदभाव को खत्म करना होगा और शिक्षा व परिविश पर विशेष फोकस करना अनिवार्य है। भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाने के लिए विभाग ने 10 सप्ताह की प्रेग्नेंट महिलाओं को सूचीबद्ध करने का निर्णय लिया है। आशा वर्कर व एएनएम स्टॉफ संयुक्त रूप से महिला पर नजर रखेंगी तथा परेशानी होने पर महिला को अस्पताल में लेकर आएंगी। डॉ. योगेश कुमार ने ग्रामीणों को पीएनडीटी एक्ट की जानकारी दी, बताया कि मेडिकल स्टोरों पर एमटीपी किट बिक्री पर प्रतिबंद है।

नांगल चौधरी। भेडंटी गांव में ग्रामीणों को लिंगानुपात सुधारने के लिए प्रेरित करते हुए।

कांग्रेस के जिला संगठन सृजन अभियान के तहत अटेली में सम्मेलन आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

कांग्रेस के जिला महेंद्रगढ़ संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी के साथ अटेली में शुक्रवार को जिला स्तरीय वन टू वन मीटिंग व सम्मेलन के साथ जिला अध्यक्ष के लिए आवेदन लिए गए। प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद, एआईसीसी द्वारा नियुक्त जिला प्रभारी एवं श्रीगंगानगर (राजस्थान) से सांसद कुलदीप इंदौरा, सह प्रभारी जितेंद्र बघेल विशेष रूप से मौजूद रहे। जिले में दो दर्जन से अधिक आवेदन जिलाध्यक्ष के लिए आए हैं। प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में कांग्रेस पार्टी द्वारा देशभर में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करना, नए नेतृत्व को आगे लाना और पार्टी की सांगठनिक संरचना को मजबूत करना है। इस अभियान के अंतर्गत हरियाणा में भी संगठनात्मक गतिविधियां तेज गति से चल रही हैं।

मंडी अटेली। कांग्रेस सम्मेलन में भाग लेते नेता एवं कार्यकर्ता।

घटते लिंगानुपात को लेकर पीएचसी छिलरो में हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य एवं ।परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव के निर्देश पर शुक्रवार को उपस्वास्थ्य केंद्र छिलरो में डॉ. अमित कुमार की अध्यक्षता में लिंग अनुपात सुधार को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में उप स्वास्थ्य केंद्र छिलरो, सब सेंटर मारोली, तलोट व निजामपुर के कर्मचारियों के अलावा आशा वर्कर्स, आंगनबाड़ी वर्कर्स एवं निजामपुर व मारोली गांव के सरपंचों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. अमित कुमार ने घटते लिंगानुपात पर बोलते हुए कहा कि लड़का व लड़की में किसी प्रकार का कोई भेदभाव न करें।

उन्होंने गांव निजामपुर सरपंच सुरेंद्र सिंह व गांव मारोली से सरपंच केलादेवी पत्नी भीम सिंह से आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने गांव का लिंगानुपात सुधारने में उनका सहयोग करें। साथ ही सभी आशा वर्कर्स व एएनएम को निर्देश देते हुए कहा कि वे अगले 10 दिन में एएमसी का रजिस्ट्रेशन करे।

वहीं सभी गर्भवती महिलाओं की सहेली नियुक्त करें। सरकार के निर्देश अनुसार समय समय पर सभी गर्भवती महिलाओं के घर विजिट की जाए। साथ ही क्षेत्र में चल रहे सभी फार्मेसिस्ट स्टोर व क्लीनिक को बिना रसायनाबलोजिस्ट व सलाह गर्भपात संबंधित दवाईया संग्रहण व वितरण करने के लिए चेताया गया। मौके पर वहा मौजूद सरपंच, आशा वर्कर आंगनबाड़ी वर्कर व कर्मचारियों ने लिंग अनुपात में सुधार लाने के लिए सहयोग करने की सपथ ली।

नारनौल। घटते लिंगानुपात पर चिंतन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जिले में सघन स्वच्छता अभियान ने पकड़ी रफ्तार, जनभागीदारी से चमकेंगे गांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

महेंद्रगढ़ जिले में सघन स्वच्छता अभियान 2025 ने एक नई ऊर्जा और उत्साह के साथ गति पकड़ ली है। यह अभियान अब केवल एक सरकारी पहल न रहकर एक विशाल सामुदायिक आंदोलन का रूप ले चुका है। नागरिक खुद आगे आकर अपने परिवेश को स्वच्छ और सुंदर बनाने में जुट गए हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को छिलरो, धनौन्दा, तोबड़ा, भांडोर ऊंची, छापड़ा बीबीपुर, कुलताजपुर, ढाणा व जाट गुवाना के निवासियों ने पूरी सक्रियता से इस प्रयास में भाग लिया। जिला ग्रामीण विकास एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया कि प्रतिदिन सुबह नौ बजे से 11 बजे तक जिले के हर खंड में एक विशिष्ट गांव को चुना जाता है, जहां यह महत्वाकांक्षी अभियान संचालित किया जाता है। उन्होंने सभी जिलावासियों से आह्वान किया कि वे इस महत्वपूर्ण प्रयास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर इसे एक अभूतपूर्व सफलता दिलाएं। कुमार ने स्वच्छता के दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल बीमारियों को दूर रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य बजट को भी बेहतर बनाए रखने में सहायक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक स्वच्छ भारत ही वास्तव में स्वस्थ भारत की आधारशिला रखता है। यह अभियान हरियाणा के मुख्यमंत्री के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में क्रियान्वित किया जा रहा है, जो राज्य सरकार की स्वच्छता के प्रति अटल संकल्प को दर्शाता है।

नारनौल। गांव में स्वच्छता अभियान चलाते नागरिक। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के नेतृत्व में महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन इस अभियान को एक ऐसे सामुदायिक कार्यक्रम में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण हो। जिला महेंद्रगढ़ में यह विशेष अभियान आगामी कई सप्ताहों तक जारी रहेगा। इसका प्रमुख लक्ष्य जिले को स्वच्छता और उत्तम स्वास्थ्य का पर्याय बनाना है। प्रशासन का दृढ़ विश्वास है कि यह महत्वाकांक्षी उद्देश्य केवल समेकित जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों से ही प्राप्त किया जा सकता है।

मंडी अटेली। खोड़ में जजपा ज्वाइन करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

जजपा का सदस्यता अभियान जारी

मंडी अटेली। जननायक जनता पार्टी के महिला शाखा की पूर्व जिला प्रधान सुविधा शास्त्री पार्टी के द्वारा 15 जून से 31 जुलाई तक चलाए जा रहे सदस्यता अभियान में सदस्यों को जोड़ रही है। जिला प्रधान राजकुमार खातोद के दिशा निर्देश के अनुसार उन्होंने अपनी टीम के साथ गांव खोड़, कटकई, भोजावास, गणियार, सिलारपुर में नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ा है। इस मौके सुविधा शास्त्री ने महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के प्रयासों से महिलाओं को पंचायती राज में और राशन डिपो में 33 प्रतिशत आरक्षण मिला होने की वजह से गांवों में महिला सरपंच, पंचायत समिति, जिला परिषद में महिला जिला पार्षद हैं। सदस्यता अभियान में खुशबू, सजल, शकुंतला वंदना, उमा देवी, रमेश देवी, प्रतीक्षा, पूनम, अनीता, ऋतु, हिना आदि महिलाओं ने अपने परिवार सहित नैना चौटाला की कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर जननायक जनता पार्टी को ज्वाइन किया।

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। पवन खैरवाल को बधाई देते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

तीसरी बार कष्ट निवारण समिति के सदस्य बने पवन

महेंद्रगढ़। गांव सुरजनवास निवासी भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष पवन खैरवाल को लगातार तीसरी बार जिला लोक संपर्क एवं शिकायत निवारण समिति (ग्रीवेंस कमेटी) का सदस्य नियुक्त किया गया है। पवन खैरवाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधायक कंवर सिंह यादव एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा मेहनती कार्यकतार्ओं की सेवा भावना को देखकर ही पद देती है। उनकी इस नियुक्ति पर सोमबीर खातोद, सुमित गोयल, रवि जांगड़ा, रवि सुरजनवास, आकाश यादव, टोनी मालडा, नीरज बेरी, सचिन यादव,आशु नांगल, प्रेम मुडायन, अधिवक्ता रोशन व विजय खेड़ा सहित अन्य भाजपा पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है।

ग्रीवेंस कमेटी में कनीना से कम रहा प्रतिनिधित्व

कनीना। प्रदेश सरकार की ओर शुक्रवार को जारी की गई जिला वाइज ग्रीवेंस कमेटी के मेंबरों की सूची में भले ही महेंद्रगढ़ जिले से 72 व्यक्तियों को शामिल किया गया है, लेकिन उसमें सबसे कम महत्व कनीना ब्लॉक को मिला है। जिसे लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा के धुरंधर कहे जाने वाले कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के नाम सूची से गायब हैं। कनीना से लेकर स्याणा गांव तक इस सूची में कोई कार्यकर्ता शामिल नहीं है, जबकि पिछली योजना में कनीना सहित सेहलंग व पोता के सदस्य ग्रीवेंस कमेटी में शामिल थे।

मंडी अटेली। लाइन गोल्ड स्टार की पहली पूर्ण रेक ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते रेलवे अधिकारी।

पिपावा पोर्ट के लिए शिपिंग ट्रेन को किया रवाना

मंडी अटेली। कॉन्कोर एमएमएलपी सीएमएलके काठुवास से पिपावा पोर्ट गुजरात के लिए शुक्रवार को शिपिंग लाइन गोल्ड स्टार की पहली पूर्ण रेक कंटेनर ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह ट्रेन केवल गोल्ड स्टार शिपिंग लाइन के कंटेनरों को लेकर रवाना हुई। कॉन्कोर सीएमएलके भारत सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। कॉन्कोर के टर्मिनल मैनेजर प्रशांत सिन्हा ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए बताया कि यह ट्रेन 90 निर्यात कंटेनरों को लेकर पिपावा पोर्ट के लिए हुई है। यह सभी कंटेनर चीन को निर्यात किए जाएंगे। मैनेजर प्रशांत सिन्हा ने शिपिंग लाइन गोल्ड स्टार, फॉरवर्डर मिलेनियम कार्गो मूवर्स और निर्यातक अदानी विल्मार का आभार व्यक्त किया। शिपिंग लाइन अधिकारियों ने भी कॉन्कोर टीम का धन्यवाद किया और भविष्य में बेहतर समन्वय एवं सहयोग का आश्वासन दिया। अदानी विल्मार के अधिकारियों ने भी संयुक्त रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

आईटीआई में निर्धारित सीटों से साढ़े तीन गुणा अधिक आए आवेदन, एडमिशन के लिए होगी मारामारी

तीन को जारी होगी मेरिट सूची, पहली मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थी 3 से 8 तक फीस जमाकर ले सकेंगे दाखिला

- इलेक्ट्रिशयन, फीटर व वायरमैन ट्रेड में आए निर्धारित सीटों से कई अधिक आवेदन, अन्य ट्रेड में नहीं दिखा रहे रूचि, अन्य ट्रेड में निर्धारित सीट से कम आए है आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को दाखिला प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। महेंद्रगढ़ की दोनों आईटीआई में निर्धारित सीट से साढ़े तीन गुणा अधिक आवेदन आए हैं।

बता दें कि हरियाणा कौशल एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने गत माह आईटीआई में दाखिले का शेड्यूल जारी किया था। विभाग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार 6 जून से दाखिला प्रक्रिया शुरू हुई थी। दाखिले की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित की गई है। इस दौरान विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रिशन, फीटर व वायरमैन ट्रेड में सबसे अधिक आवेदन किया। अन्य ट्रेड में निर्धारित सीट से कम आवेदन आए है। ऐसे में विभाग की ओर से दाखिले की अंतिम तिथि को एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया है। विभाग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार आईटीआई में तीन चरण में दाखिला प्रक्रिया चलेगी।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महेंद्रगढ़। फोटो : हरिभूमि

यह रहेगा दाखिला शेड्यूल

- 11 जुलाई को दूसरी मेरिट लिस्ट जारी होगी।
- 11 से 14 जुलाई तक लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों को आईटीआई में आकर कागजात की जांच में शामिल होना होगा।
- 11 से 15 जुलाई तक विद्यार्थी फीस जमाकर दाखिला ले सकेंगे।
- 16 जुलाई को खाली सीट दशाई जाएंगी।
- 16 से 19 जुलाई तक पोर्टल दोबारा ओपन होगा। इस दौरान विद्यार्थी अपने आवेदन में बदलाव कर सकेंगे।
- 22 से 26 जुलाई तक लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों को आईटीआई में आकर कागजात की जांच में शामिल होना होगा।
- 3 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी होगी
- 3 से 7 जुलाई तक लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों को आईटीआई में आकर कागजात की जांच में शामिल होना होगा।
- 3 से 8 जुलाई तक विद्यार्थी फीस जमाकर दाखिला ले सकेंगे।
- 9 से 10 जुलाई तक पोर्टल दोबारा ओपन होगा। इस दौरान विद्यार्थी अपने आवेदन में बदलाव कर सकेंगे।

888 सीट पर आए 3130 आवेदन

इस बार आईटीआई में दाखिले के लिए मारामारी है। पहले जहां दो माह तक संस्थानों में सीट नहीं भर पाती थी। वहीं इस बार महेंद्रगढ़ की दोनों आईटीआई में निर्धारित सीट से साढ़े तीन गुणा अधिक आवेदन आए है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महेंद्रगढ़ में 692 सीट पर 2564 आवेदन आए है। इलेक्ट्रिशन ट्रेड में 648, फीटर ट्रेड में 276, वायरमैन ट्रेड में 208 आए है। वहीं राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महेंद्रगढ़ में 196 सीट पर 566 आवेदन आए है। वहीं प्रदेश की बात किए जाएं तो विद्यार्थी इलेक्ट्रिशन, कोपा, फीटर व वायरमैन ट्रेड में अधिक रूचि ले रहे है। इलेक्ट्रिशन ट्रेड के लिए 40952, कोपा 22412, वायरमैन 10971 व फीटर ट्रेड को 10596 विद्यार्थियों ने अपनी पहली पंसद चुना है।

22 जुलाई को तीसरी मेरिट सूची जारी होगी

- 3 से 7 जुलाई तक लिस्ट में शामिल विद्यार्थियों को आईटीआई में आकर कागजात की जांच में शामिल होना होगा।
- 22 से 27 जुलाई तक विद्यार्थी फीस जमाकर दाखिला ले सकेंगे।
- 9 जुलाई को खाली सीट दशाई जाएंगी।
- 22 जुलाई को तीसरी मेरिट सूची जारी होगी।

जिले के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने का है लक्ष्य

दोहान नदी में छोड़ा गया 250 क्यूसिक पानी, देवनगर में बांध तक पहुंचा

- पांच दशक पहले माजरा खुर्द से भगड़ाना, पाली, जाट, भुरजट व बसई से दादरी की ओर निकलती थी दोहान नदी
- आगे की जमीन का मालिकाना हक किसानों के पास होने की वजह से रोका गया था पानी
- गत वर्ष माजरा कलां की सीमा तक पहुंच गया था दोहान नदी का पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

सिंचाई विभाग की ओर से सीजन में पहली बार दोहान नदी में छोड़ दिया है। गांव देवनगर में बने बांध तक पानी पहुंच चुका है। अभी दोहान में 250 क्यूसिक चल रहा है। एक सप्ताह में दोहान में नदी में आगे पानी चलाया जा सकता है।

बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देश पर वर्ष 2022 में सिंचाई विभाग ने दक्षिण हरियाणा की इन दोनों बरसाती नदियों को पुनर्जीवित करने की मुहिम शुरू की थी। जिसका नतीजा यह हुआ कि अब इनमें पानी बह रहा है। इसके बाद सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह ने दोहान नदी का पानी जिला के अंतिम छोर तक पहुंचाने के प्रयास शुरू किए गए। सिंचाई मंत्री के निर्देश पर विभाग के अधिकारियों ने जिला के अंतिम छोर तक दोहान नदी में पानी छोड़ने का प्लान तैयार किया हैं। ताकि जिले के गिरते भूजल स्तर में सुधार लाया जा सकें।

दोहान में नदी में चलता अतिरिक्त पानी।

प्रोजेक्ट का कार्य जल्द हो सकता है पूरा

नहरी पानी पर आधारित गांव माजरा कलां प्रोजेक्ट पर सिंचाई विभाग ने 13 करोड़ रुपए खर्च किए है। इसके लिए गांव माजरा कलां से लेकर एनबी-1 तक 1600 एमएम आरसीसी की लाइनें बिछाई गई है। एनबी-1 से पाइप लाइन बिछाकर सबसे पहले माजरा कलां में बने 4 जोहड़ भरे जाएंगे। इसके बाद पानी भगड़ाना होते हुए आगे बढ़ेगा। इस प्रोजेक्ट से क्षेत्र के माजरा खुर्द, माजरा कलां, भगड़ाना, सिगड़ी सहित अन्य गांवों को लाभ होगा। इस पाइप लाइन का टैस्ट करने के बाद इसे शुरू करवा दिया है। गांव माजरा कलां में 4 जोहड़ बने हुए हैं जिन्हें भरने के लिए आपस में जोड़ा हुआ है। अभी चल रहे पानी से गांव के तीन जोहड़ भर चुके हैं तथा चौथा जोहड़ भरते ही पानी दोहान नदी के मार्ग से भगड़ाना पहुंचेगा। नहर में पानी अधिक होने पर भी एनबी-1 से अधिक पानी इस प्रोजेक्ट के माध्यम से क्षेत्र में भूमि रिचार्ज में काम आएगा। अभी इस प्रोजेक्ट का 70 प्रतिशत कार्य हो चुका है। जल्द ही कार्य पूरा होने के बाद जिला के अंतिम छोर तक दोहान में नदी में पहुंच सकता है।

दोहान नदी में छोड़ा पानी

मानसून में पानी की मांग कम होने से नहरों को 16 स्थानों पर इन नदियों से जोड़ा गया। नारनौल ब्रांच को डेरोली अहीर के पास लगभग 300 सीएस का एस्कैप दोहान नदी में दिया गया और डेरोली से महेंद्रगढ़ शहर तक करीब 16 किलोमीटर लंबी नदी को पुनर्जीवित किया गया था। जिसके बाद जवाहर कैनाल नहर का अतिरिक्त पानी दोहान नदी में छोड़ा जा रहा हैं। वर्ष 2022 में दोहान नदी का पानी पहले गांव डुलाना तक पहुंचाता था। पानी निकासी नहीं होने के कारण डीएवी स्कूल व बुचियावाली गौशाला में पानी भर जाता था। जिससे काफी परेशानी होती थी। इसके आसपास की जमीन वन विभाग की थी। जिस कारण सिंचाई विभाग कोई काम नहीं कर पा रहा था। लेकिन पिछले वर्ष वन विभाग के उच्च अधिकारियों की ओर से खुदाई की अनुमति मिलने के बाद सिंचाई विभाग की ओर सरकारी जेसीबी के माध्यम से खुदाई कराई गई हैं। करीब 1.5 किलोमीटर की करीब फीट गहरी व 8 फीट की चौडाई का नाला बनाने के बाद बुचियावाली गौशाला व डीएवी स्कूल में पानी भरना बंद हो गया तथा आगे के गांवों में पानी पहुंचाना शुरू हो गया हैं। दोहान नदी का पानी रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ स्टेट हाईवे का पार कर चुका था। यह पानी माजरा कलां की सीमा से करीब 500 मीटर की दूरी पर हैं। दोहान नदी की आगे की जमीन का मालिकयाना हक किसानों के पास होने के कारण पानी रोक दिया गया था।

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल के नए भवन का निरीक्षण करते विधायक एवं एसडीएम।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार का पहला उद्देश्य: कंवर यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

विधायक कंवर सिंह यादव ने शुक्रवार को महेंद्रगढ़ के निमार्णाधीन 100 बैड सामान्य अस्पताल के भवन निर्माण कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान एसडीएम अनिल कुमार यादव भी मौजूद रहे। विधायक ने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा सामान्य अस्पताल को 50 बैड से 100 बैड का अपग्रेड कर नया भवन बनाया जा रहा है। महेंद्रगढ़ की जनता को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना उनका मुख्य उद्देश्य है। उपमंडल अधिकारी ने नए भवन में शौचालय बनाने वाली जगह और ब्लड बैंक का निरीक्षण किया। इसके उपरांत नागरिक अस्पताल में पुराने भवन में विधायक कंवर सिंह यादव ने शौचालय का निरीक्षण किया। विधायक ने नागरिक अस्पताल के चिकित्सक बाबूलाल को निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों के लिए नागरिक अस्पताल में प्रत्येक सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को सरकार द्वारा चलाई जा रहीं सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। इसके बाद विधायक ने जच्चा बच्चों के वार्ड का निरीक्षण किया। उपमंडल अधिकारी अनिल कुमार ने अस्पताल स्टॉफ से रजिस्टर मंगवाकर जांच की। कम डिलीवरी क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों की अच्छी देखभाल की जाए ताकि किसी को भी परेशानी हो। गरीब लोगों का विशेष ध्यान रखे। डिलीवरी के दौरान पूरी तरह से सावधानी बरते। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी एसडीओ कृष्ण कुमार, कार्यवाहक एसएमओ डॉ. बाबूलाल यादव, डॉ. अभिषेक सैनी, फार्मासिस्ट अधिकारी अजय ककड़, इंद्रपाल यादव आदि मौजूद रहे।

विवेक यादव बने जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य, सीएम से की मुलाकात

- विवेक यादव ने अपनी इस नियुक्ति पर मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली व अन्य नेताओं का अभार जताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जिलों की कष्ट निवारण समितियों की घोषणा की गई। महेंद्रगढ ग्रामीण मण्डल के पूर्व अध्यक्ष विवेक यादव को जिला महेंद्रगढ की कष्ट निवारण समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। विवेक यादव भाजपा के पुराने कार्यकर्ता हैं और पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा के करीबी माने जाते हैं। विवेक यादव ने अपनी इस नियुक्ति पर मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा, जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य देवेंद्र यादव, जिला महामंत्री अमित मिश्रा का आभार जताते हुए कहा कि उसे जो जिम्मेदारी दी गई है, उसके माध्यम से अपने इलाके की जनता जनार्दन की समस्याओं को सरकार और प्रशासन के समक्ष उठाएगे और समाधान करवाएंगे।

महेंद्रगढ़। सीएम से मुलाकात करते भाजपा पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सिहमा नर्सरी में २० हजार व लहरोदा में ६० हजार पौधे तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

पर्यावरण व हरियाली को बढ़ावा देने के लिए सिहमा नर्सरी 20 हजार एवं लहरोदा नर्सरी में 60 हजार विभिन्न किस्मों के पौधे तैयार हो गए हैं। यह पौधे एक जुलाई से निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। सिहमा नर्सरी रामपुरा रोड पर चार एकड़ में फैली हुई है। नर्सरी के इंचार्ज वैभव सिंह प्रताप सिंह ने बताया कि एक जुलाई से 20 हजार विभिन्न किस्मों के पौधे में निःशुल्क वितरित की जाएंगे, जिसमें गुलमोहर, सिरस, काला सीरस, गुलाब, गुड़हल, कीकर, पापड़ी, पीपल, नीम, शीशम, चांदनी विभिन्न किस्मों के छायादार, शोभादार, खुशबूदार, हवादार, फलदार सहित आदि तैयार किए गए हैं। वहीं लहरोदा नर्सरी के वनरक्षक हंसराज ने बताया कि उनकी नर्सरी में 21 किस्मों के पौधे तैयार किए गए हैं। यह नर्सरी पांच एकड़ में फैली हुई है, जिसमें नींबू, अमरूद, नीम, खजूर, इमली, गुलमोहर, अनार, अंजीर, बेलपत्र, अमलतास, गुलाब, भुगन बेल, सिरस, तुकोमा, चांदनी, गुड़हल, कचनार, रोंज, कीकर, पापड़ी के पौधे तैयार किये गए हैं। जिले को हरा भरा बनाने के लिए यह सभी पौधे एक जुलाई को निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। पौधारोपण करने के इच्छुक व्यक्ति वन विभाग की नर्सरियों से संपर्क कर सकते हैं। वहीं विभाग द्वारा जिले के लोगों को पौधे लगाने के लिए जागरूक भी किया जाएगा। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी है। घटते वन क्षेत्र को बचाने के लिए सभी को सचेत होना ही होगा, जिसको लेकर वन विभाग के मानसून से पहले पौधों को सृजन करवाती है। इसके तहत इस साल जिले की विभिन्न नर्सरियों में लाखों पौधे तैयार किए जाते हैं। उन्होंने लोगों से इस मानसून में अधिक से अधिक पौधे रोपित करने का आह्वान किया है। इस मौके पर अमित कुमार बंद दरोगा मौजूद रहे।

मंडी अटेली। लहरोदा नर्सरी में पौधे दिखाता वन रक्षक हंसराज।

एसपी ने पेट्रोल पंप संचालकों व ज्वेलर्स एसोसिएशन के साथ की सुरक्षा बैठक

सीसीटीवी कैमरे और उनके डीवीआर को दुरुस्त रखा जाए

- कम से कम 60 दिनों का बैकअप सुनिश्चित किया जाए
- व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन कराने के संबंध में भी निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने शुक्रवार को कार्यालय में जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों व ज्वेलर्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ सुरक्षा बैठक का आयोजन किया। जिसका उद्देश्य जिले में पेट्रोल पंपों व सर्राफा बाजारों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना था। बैठक के दौरान एसपी पूजा वशिष्ठ ने सभी एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई आवश्यक दिशानिर्देश दिए। एसपी ने कहा कि सभी सीसीटीवी कैमरे और उनके डीवीआर को दुरुस्त रखा जाए और कम से कम 60 दिनों का बैकअप सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कैमरे इस प्रकार लगाए जाए कि उनके सामने से गुजरने वाले वाहनों की नंबर प्लेट स्पष्ट रूप से दिखाई दे। साथ ही सीसीटीवी के डीवीआर को ऐसी जगह पर रखने को कहा जहां किसी अन्य व्यक्ति की पहुंच आसान न हो। एसपी ने पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन व सर्राफा बाजार में काम करने वाले सभी व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन कराने के संबंध में भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि अक्सर यह देखा जाता है कि प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे का एंगल केवल दुकान तक ही सीमित रहता है। अपराधियों की धरपकड़ के लिए चौक व सड़क के ऊपर भी कैमरे का एंगल होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे अपराधियों को पकड़ने और उनकी गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। एसपी ने ज्वेलर्स से कहा कि आभूषण बेचने आने वाले व्यक्तियों के पहचान पत्र अवश्य देखें। इसके साथ ही एक रजिस्टर में उनका नाम, मोबाइल नंबर व पता भी दर्ज करें तथा दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करके उसे सत्यापित भी कर लें।

नारनौल। बैठक को संबोधित करती एसपी पूजा वशिष्ठ।

मेडिकल स्टोर संचालकों के साथ की बैठक

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार पुलिस नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस की ओर से नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में मेडिकल स्टोर संचालक भी कंधे से कंधा मिलाकर पूर्ण सहयोग कर नशा मुक्त समाज बनाने में अहम भूमिका निभाएं। नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में मेडिकल स्टोर संचालकों का सहयोग कारगर साबित होगा। उक्त विचार पुलिस अधीक्षक ने जिले के मेडिकल स्टोर संचालकों व उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक में व्यक्त किए।

अतरलाल ने माता परमेश्वरी देवी जी के निधन पर श्रद्धांजलि दी

नारनौल। प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने रोहतक सिंधु भवन पहुंचकर पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी के निधन पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने परमेश्वरी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर स्मृति पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने स्मृति पुस्तिका पर लिखा की माता परमेश्वरी देवी गुणों की खान थी। वह प्रेरक महिला थी। जिन्होंने अपने परिवार के साथ साथ समाज को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि माता परमेश्वरी देवी धार्मिक तथा सामाजिक प्रवृत्ति की महिला थी। उनकी गौरवशाली जीवन गाथा और धीरज, दया, करूणा, आपसी आदर भाव, परहित के गुण हमेशा युगों युगों तक जनता को प्रेरणा देते रहेंगे।